

राजभवन में उत्तराखंड दिवस मनाया गया

उत्तराखंड अध्यात्म की भारतीय संस्कृति का गढ़ प्रदेश—राज्यपाल

जयपुर, 9 नवंबर। राजभवन में गुरुवार को उत्तराखंड वंदन के साथ हिमालय की संस्कृति को जीवंत करते लोक नृत्य के साथ उत्तराखंड दिवस मनाया गया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने इस दौरान उत्तराखंड के लोगों से संवाद कर उन्हें उत्तराखंड स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि उत्तराखंड अध्यात्म की संस्कृति का गढ़ प्रदेश ही नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक दृष्टि से भी सर्वाधिक संपन्न राज्य है। उन्होंने कहा कि आरंभ से ही इस प्रदेश से उनका निकट का नाता रहा है, यह तीर्थाटन की पावन धरा है। उन्होंने इस प्रदेश में स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ आदि पावन स्थलों की चर्चा करते हुए उत्तराखंड के लोगों की खुशहाली, संपन्नता और सुख समृद्धि की कामना की।

राज्यपाल ने उत्तराखंड के गांवों, विभिन्न खंडों से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सभी ब्लॉक्स में, जिलों में और एक एक गांव में वह गए हैं। यहां के जन जीवन से वह निकट से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पहाड़ों पर कठिन परिश्रम से जीने वाले पर हर हाल में खुश रहने वालों की भूमि है। उन्होंने कहा कि योग की भारतीय संस्कृति का नाद करने वाला भी आज यह बड़ा प्रदेश है। उन्होंने राजस्थान में रहने वाले उत्तराखंड के राजस्थान निवासियों को प्रदेश के विकास में भी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर उत्तराखंड की गोदावरी कांडपाल और दल द्वारा उत्तराखंड वंदना से जुड़ा मधुर गीत, लोक नृत्य आदि भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंद राम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर, 9 नवंबर। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने उत्तरप्रदेश के विधायक और पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने पुण्यात्मा की शांति और उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।
